अभी तक जितने भी वेतन आयोग बनाए गए हैं, उन्होंने अपनी समयावधि के अंदर अपनी सिफारिश प्रस्तुत की हैं। इसलिए आवश्यक यह है कि यह जो पांचवां वेतन आयोग है, यह भी अगस्त, 96 तक आवश्यक रूप से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ऐसा मैं आप के माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं।

श्रीमती कमला सिन्हा: तत्काल इंटेरिम रिलीफ भी दीजिए।

RE. HUNDRED CRORE RUPEES WORTH PADDY SCAM REPORTED IN PUNJAB

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित): उपसभाध्यक्ष महोदय, पंजाब में कल के अखबारों में मुख्य रूप से यह रिपोर्ट आयी हुई है कि सौ करोड़ पैडी का घोटाला पंजाब में पकड़ा गया है। इस बात की चर्चा पहले से होती रही है कि पंजाब में जो धान या गेहूं पैदा होता है, वास्तव में उसको प्रैक्योरमैंट ऐजेंसी खरीदती है, उसमें घोटाला होता है, चोरी होती है। उससे किसानों को नुकसान होता है क्योंकि सारा बोझ किसानों पर जाता है और घोटाला करने वाले उसे लूट ले जाते हैं। इसके तथ्य बहुत देर से सामने आ रहे थे और आते-आते जब यह भंडा फूटा है तो दो लाख टन पैडी इस वक्त पंजाब के गोदामों में फिजिकल वैरीफिकेशन में कम पायी गयी है। जो परचेज किया गया, उससे कम निकला है।

दूसरी चीज जिस भाव से प्रैक्योरमैंट ऐजेंसी ने एफ. सी.आई. को चावल बेचना था, उसका भाव कम कर दिया गया। मिसाल के तौर पर सुपर फाइन का 442 रुपये रेट देना था लेकिन उसके बाद उसे कम करके 395 और बाद में 330 कर दिया गया। एक झटके से 112 रुपये राइस मिलर को ज्यादा देना घोटाला नहीं तो और क्या है? सिर्फ यही नहीं इसका मोडस ऑपरेंडी था कि क्वालिटी के आधार पर प्रैक्योरमेंट ऐजेंसी रिजैक्ट करती रही और कहती रही कि क्वालिटी ठीक नहीं है। जब कि मंडी का भाव उससे कहीं ऊपर था, 500 के आस-पास था। इसके अतिरिक्त 50 करोड़ के आस-पास जो पैनलटीज वहां से मिल सकती थीं, उनको जान-बूझकर खत्म किया जा रहा है। यह तो वही बात हुई कि "मुंह खाए और आंख शरमाए।" जिन्होंने रिकवर करना है, उन्हीं का तो उसमें हाथ है। इसके अतिरिक्त पंजाब में इस साल 20 रुपये क्विंटल सरकार द्वारा अनाउंस किए गए भाव से कम दिया गया, यह कहकर कि वह सुपर फाइन वैरायटी नहीं है। 180 करोड़ रुपये इस तरीके से लूटे गये। 90 लाख टन के आस-पास पैडी थी और 180 करोड़ रुपये के आस-पास लूटे गये। अगर इसी में अंत हो जाता तो भी शायद कुछ न होता। बात यहां तक है कि वहां राइस मिलर्स को भी स्क्वीज किया जाता है और फार्मर्स को भी स्क्वीज किया जाता है। क्या सौ करोड़ के आस-पास रिश्वत है? पैडी से चावल बनाकर उसकी प्रैक्योरमैंट होती है ...(**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप विवरण में न जाएं।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: इस प्रकार से इस सारे को यदि देखें तो हजारों करोड़ रुपया किसानों का लूटा जाता है। उन लोगों का, जो वास्तव में पैदा करते हैं, जो गांव में रहते हैं, जिनको देश की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। जब यह हालत होती है तो किसी को गुस्सा आना स्वाभाविक है। यदि कोई इंसाफ मांगे तो उसे इंसाफ न देना और उसको कभी कुछ तो कभी टैररिस्ट कहना ठीक नहीं है। यह मिसाल सामने आ रही है कि इस बहाने से इंसाफ मांगने वाले लोगों को दबाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस सबकी गंभीरता से इन्क्वायरी होनी चाहिए और कम से कम इसकी इंक्वायरी सी.बी. आई. से तो होनी ही चाहिए क्योंकि हमें लगता है कि सी. बी.आई. काफी अच्छी तरह से काम कर रही है। यह बहुत बड़ा स्कैंडल है इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसकी जांच गंभीरता से होनी चाहिए।

RE. KILLINGS OF LABOURERS BELONGING TO UTTAR PRADESH AND BIHAR IN KUPPAWARA DISTRICT OF JAMMU AND KASHMIR ON 7.7.1996

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बड़े दुख के साथ और चिंता के साथ एक प्रश्न उठाना चाहता हूं। शायद यह सदन के नोटिस में अभी नहीं आया है या दबा दिया गया है। कश्मीर वैली में कुपवाड़ा जिले के बाराकोटा गांव में आतंकवादियों ने ईंट भट्टी पर काम करने वाले 11 मजदूरों को गोली मारकर हत्या कर दी और 6 को घायल कर दिया। 5 मई को इसी प्रकार की घटना नेपाली मजदूरों के साथ कश्मीर वैली में हो चुकी है। पिछले दिनों कांग्रेस की सरकार थी, अब संयुक्त मोर्चे की सरकार है।

क्या यह मैं जान सकता हूं कि हिन्दुस्तान में लोगों की जानें इतनी सस्ती हैं? रोज़ किसी एरिया में 10, 12, 15 हत्याएं होती जायें, उनको दबा दिया जाये, उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो, यह चिन्ता का विषय है और इस बारे में मैं बहुत संक्षेप में यह कहना चाहता हूं कि आप इस आतंकवाद को कब खत्म करना चाहते हैं? यह इस बात का सबूत है कि अब नेपाल से, बिहार से और उत्तर प्रदेश से गये हुए गरीब मजदूर जो ईंट-भट्टों पर काम करते हैं, उनको एक लाइन में खड़े कर के 11 लोगों की हत्याएं कर

दी जायें, तो भारत की सेनाएं क्या कर रही हैं, हमारी सीमा सुरक्षा बल क्या कर रही है, दिल्ली में बैठी सरकार क्या कर रही है? मैं पूछना चाहता हूं कि आप कब तक यह करते रहेंगे और मैं समझता हूं कि यह सरकार की असफलता का बड़ा भारी नमूना है और सरकार को अपनी असफलता को मानना चाहिए। मुझे लगता है कि यह सरकार निहायत बेशर्मी से सत्ता पर बनी हुई है। पिछली सरकार में भी होता रहा है जब ईंट-भट्टों पर काम करने वाले लोग मारे जाते रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आपकी पकड़ क्या है? आपकी सेनाएं अन्दर तक क्यों नहीं जा रही हैं? मुझे लगता है कि यह सरकार भी पिछली कांग्रेस सरकार की तरह ही आतंकवादियों को दिल्ली में बुला कर बातें कर रही है और उनको अधिक स्वायत्तता देने की बात कर रही है।

उप-सभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप अपने विषय पर ही बोलिए।

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता: श्रीमान् जी, मैं अपने विषय पर ही आ रहा हूं। यह जो सारी घटनाएं घट रही हैं, इसे सरकार कब तक रोकना चाहती है? और इसलिए मैं मांग करता हूं कि जो 11 मजदूर मारे गये हैं उनके परिवारों को कम से कम दो लाख रुपया प्रति मजदूर मुआवजा दिया जाना चाहिए। मुझे जानकारी नहीं है कि आपकी सरकार इस प्रकार की जो हत्याएं होती हैं, उनको क्या मुआवजा देती है। इसका जवाब देना चाहिए। जब तक कड़ी कार्रवाई आतंकवादियों के खिलाफ नहीं करेंगे तब तक यह मामला सुलझने वाला नहीं है। इसलिए बीजेपी ने यहां तक मांग की थी कि अगर ये शांतिपूर्ण तरीके से नहीं मानते हैं तो भारत की सेनाओं को पाक अधिकृत काश्मीर के इलाके में जाकर आतंकवादियों को समाप्त करना चाहिए, क्योंकि इसके बगैर आतंकवाद की कार्रवाई नहीं रूकेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

RE. AIRCRASH AT MANDI IN HIMACHAL PRADESH

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश): उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन का ध्यान हिमाचल प्रदेश के मण्डी जिले में ज्वालापुर क्षेत्र में कल विमान दुर्घटना की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। महोदय, कल मंत्री महोदय ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह दुर्घटना वहीं अधिघटित हुई जहां दो वर्ष पूर्व हिमाचल के और पंजाब के उस समय के राज्यपाल सुरेन्द्र नाथ वर्मा की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई थी, जो कि सही नहीं है। वर्तमान दुर्घटना मण्डी जिले के ज्वालापुर क्षेत्र में घटी है जब कि वह घटना रोहण्डा क्षेत्र में घटी थी, जहां का फासला लगभग 60-70 किलोमीटर है। जो यह दुखद घटना घटी है, इस पर मैं गहरा शौक व्यक्त करता हूं और मृतकों की आत्मा की शान्ति के लिए परमात्मा परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं। मैं इस दुखद घटना पर कोई राजनीतिक बात नहीं कहना चाहता लेकिन यह कटु सत्य है कि जब से इसके पूर्व की कांग्रेस सरकार ने हिमाचल को प्राइवेट एयर टैक्सी सर्विसेज के हवाले की है, उनके रहमोकरम पर छोड़ी है और वायुदूत की सेवा बन्द की है तब से वे सभी नियमों को ताक पर रखकर, मनमाने ढंग से उड़ाने भरते हैं। जब मौसम खराब होता है तब भी उड़ान भरते हैं और कभी ठीक मौसम होने पर भी किसी न किसी तकनीकी बहाने की आड़ में वे उड़ाने रद्द कर देते हैं। यही नहीं, किराये के नाम पर वे मनमानी लूट मचा रहे हैं। कुल्लू से दिल्ली का किराया 3,046 रुपये है जब कि मुम्बई जाना सस्ता है, नेपाल जाना सस्ता है परन्तु कुल्लू जाना मंहगा है। महोदय, यहीं नहीं मैं कुछ और जानकारी आपको देना चाहूंगा।

उप-सभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): उस ट्रेजडी के ऊपर ही आप बोलें।

श्री महेश्वर सिंह: मैं कुछ तथ्य भी आपके सामने रखना चाहूंगा। मंत्री महोदय ने अभी तक स्टेटमेंट नहीं दिया है। इतनी बड़ी घटना घटी है और 24 घंटे बीत गये हैं। मंत्री महोदय ने कल स्वयं कहा कि 12.30 बजे तक भारी वर्षा हो रही थी जहां पर प्लेन क्रेश हुआ, उसको लोकेट करना सम्भव नहीं था। महोदय, शिमला में कल प्रातः से ही मौसम खराब था तो इस उड़ान को भरने की अनुमति किसने दी? अर्चना एयरवेज को जो लाइसेन्स दिया गया है वह लाइसेन्स दिल्ली से शिमला और दिल्ली से कुल्लू उड़ान भरने का है यह उड़ान कुल्लू वाया शिमला कैसे गई? किसने इसका अनुमति दी?

महोदय, मैं आपका ध्यान इन उड़ानों के समय की ओर दिलाना चाहूंगा। जो शिमला के लिए यहां से उड़ान चलती है ...

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): मंत्री महोदय का स्टेटमेंट-हो गया?

श्री महेश्वर सिंह: जी, हां। वह आये। लेकिन यह एक बहुत ही दुखद घटना है कि किस प्रकार से ऐसे लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। जो यहां से उड़ान जाती है उसका समय शिमला के लिए 5 बजकर 45 मिनट है। कुल्लू के लिए जो समय है वह 8 बजकर 20 मिनट का है। उन्होंने